सत्यमेव जयते

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम-2017

(दिनांक 1 सितंबर से 14 सितंबर 2017)

हिन्दी दिवस

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल

अनुक्रमणिका

क्रमांक	कार्यक्रम विवरण	पृष्ठ क्रमांक
01	हिन्दी दिवस की प्रासंगिकता व संपादित कार्यालयीन	01
02	हिन्दी-पखवाड़ा कार्यक्रम 1-14 सितंबर	06
03	यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता 05.09.2017	08
04	'हिन्दी' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता - 08.09.2017	08
05	'राजभाषा क्विज' प्रतियोगिता - 11.09.2017	09
06	'हिन्दी संभाषण' प्रतियोगिता -14.09.2017	10
07	'हिन्दी टिप्पण व आलेखन' प्रतियोगिता	11
08	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक - 14.09.2017	12
09	सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह 14.09.2017	12
10	कार्यक्रम की अन्य झलकियाँ	15
11	समापन कार्यक्रम	22
12	प्रतियोगिता परिणाम	23

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम 2017 : प्रतिवेदन

हिन्दी दिवस की प्रासंगिकता व संपादित कार्यालयीन

हिन्दी के ऐतिहासिक अवसर को स्मरण करने के लिये हर साल 14 सितंबर को पूरे देश में हिन्दी दिवस मनाया जाता है। इसको हिन्दी दिवस के रुप में मनाना शुरु हुआ था क्योंकि वर्ष 1949 में 14 सितंबर को संवैधानिक सभा के द्वारा आधिकारिक भाषा के रुप में देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी को स्वीकृत किया गया था।

किसी भी भाषा के दो रूप होते हैं - साहित्यिक और कामकाज की भाषा। कामकाज की भाषा में साहित्यिक भाषा के शब्दों के इस्तेमाल से उस भाषा विशेष के प्रति आम आदमी का रूझान कम हो जाता है, और उसके प्रति मानसिक विरोध बढ़ता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आज की लोकप्रिय भाषा अंग्रेजी ने भी अपने स्वरूप को बदलते समय के साथ खूब ढाला है। आज की युवा पीढ़ी अंग्रेजी के विख्यात साहित्यकारों जैसे शेक्सपियर, विलियम थैकरे या मैथ्यू आर्नल्ड की शैली की अंग्रेजी नहीं लिखते है इसी तरह हिन्दी भाषा ने भी विभिन्न भाषाओं मे अपनी जगह बनाई है, साथ ही इसके कामकाजी हिंदी के रूप को सरल तथा आसानी से समझ में आने योग्य बनाया है । राजभाषा में कठिन और कम सुने जाने वाले शब्दों के इस्तेमाल से राजभाषा को अपनाने में हिचकिचाहट बढ़ती है । शालीनता और मर्यादा को सुरक्षित रखते हुए भाषा को सुबोध और सुगम बनाना आज के समय की मांग है । किसी भी आर्थिक रूप से संपन्न देश की भाषा के पंख तेजी से बढ़ने लगते है जब अन्य देशों के लोग भी उस भाषा को सीखना चाहते हैं । हिन्दी प्राचीन काल

हिन्दी दिवस 2017

से ही भारतीय इतिहास को उजागर करती है और भविष्य में हमारी पहचान की कुँजी है । यह एक बहुत ही विशाल भाषा है, जो अन्य देशों (नेपाल, त्रिनिदाद, मारीशस, आदि) के लोगों द्वारा भी बोली और अच्छी तरह से समझी जाती है । यह एक दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए बहुत आसान और सरल साधन प्रदान करती है । यह विविध भारत को एकजुट करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है इसलिये संपर्क भाषा के रूप में कही जाती है । हर साल हिंदी को सम्मान देने और इसके महत्व को अगली पीढ़ी को हस्तान्तरित करने के लिये हिंदी दिवस का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण अवसर है ।

जब-जब सरकारी कामकाज में हिंदी में मूल कार्य न कर उसे अनुवाद की भाषा के रूप में इस्तेमाल किया जाता है तो हिंदी का स्वरूप अधिक जटिल और कठिन हो जाता है । अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद की शैली को बदलने की सख्त आवश्यकता है । अच्छे अनुवाद में भाव को समझकर वाक्य की संरचना करना जरूरी है न कि प्रत्येक शब्द का अनुवाद करते हुए वाक्यों का निर्माण करने की । बोलचाल की भाषा में अनुवाद करने का यह अर्थ है कि उसमें अन्य भाषाओं जैसे उर्दू, अंग्रेजी और अन्य प्रांतीय भाषाओं के लोकप्रिय शब्द भी खुलकर प्रयोग में लाए जाएं । भाषा का विशुद्ध रूप साहित्य जगत के लिए है भाषा का लोकप्रिय और मिश्रित रूप बोलचाल और कामकाज के लिए है।

हिन्दी परस्कार 2017

राजभाषा नियमों के संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन तथा इसके विकास एवं संवर्धन में सदैव प्रतिभागी रहते हुए क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल में भी इस दिवस को मनाने की अत्यंत गौरवशाली परम्परा रही है तथा इसका निर्वहन प्रत्येक वर्ष स्वतःस्फुर्त भावना से हिन्दी पखवाडे के आयोजन के साथ किया जाता रहा है ।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल राजभाषा नियम 1976 के तहत 'क' क्षेत्र में स्थित है तथा इसके कार्यक्षेत्र में स्थित राज्य (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान) भी 'क' क्षेत्र में ही हैं । अतः यह कार्यालय हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध है। यह कार्यालय राजभाषा नियम 1976 की धारा 10(4) के अंतर्गत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित भी किया जा चुका है। राजभाषा विभाग की प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 में मध्य क्षेत्र में गृह मंत्रालय राजभाषा कार्यालय द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने हेतु क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल को द्वितीय पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। यह पुरस्कार माननीय राज्यपाल, राजस्थान सरकार द्वारा उदयपुर में मोहन लाल सुखाड़िया विश्व विद्यालय में दिनांक 30.01.2017 को मध्य तथा पश्चिम क्षेत्रों के राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया। इस पुरस्कार में कार्यालय को शील्ड तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर कार्यालय की ओर से शील्ड श्री एस.डी. बोकड़े, अनुभाग अधिकारी तथा प्रमाण-पत्र डॉ. अनूप चतुर्वेदी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक द्वारा प्राप्त किये गये । इस वर्ग में प्रथम पुरस्कार-केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल माउंट आबू तथा तृतीय पुरस्कार-भारतीय खान ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर को प्रदान किया गया। गत वर्ष भी यह पुरस्कार वर्ष 2014-15 हेतु क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल को ही प्राप्त हुआ था।

माननीय राज्यपाल से प्राप्त हिन्दी परस्कार

कार्यालय द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समस्त छः माही बैठकों में अनिवार्य रूप से भाग लिया जाता है तथा राजभाषा के नियम के अनुपालनार्थ क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा भी प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 4 संगोष्ठियों का आयोजन

किया जाता रहा है तथा सभी बैठकों में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि की सहभागिता व मार्गदर्शन हेतु उन्हें आमंत्रित किया जाता है।

क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल, राजभाषा नियमों का परिपालन वर्ष भर करता है तथा विभिन्न अवसरों पर इस संदर्भ में प्रचार-प्रसार भी करता है, विगत वर्ष में क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा विभिन्न तकनीकी व सामान्य प्रतिवेदनों को हिन्दी में तैयार ही नहीं किया गया अपितु केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइड (http://cpcb.nic.in/otheruseful_information_bhopal.php) पर भी अपलोड किया गया है जहाँ से हिन्दी भाषा का वृहद प्रचार-प्रसार हो रहा है । कार्यालय द्वारा हिन्दी में तैयार किए गए प्रमुख प्रतिवेदन निम्नलिखित हैं :-

ओजोन दिवस का आयोजन

- विश्व पर्यावरण दिवस 2017 का प्रतिवेदन
- स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम प्रतिवेदन
- मासिक प्रगति प्रतिवदेन
- राज्य जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन समिति हेतु सुझाव
- अंतर्राज्यीय नदी प्रबोधन - प्रतिवेदन 2017
- स्वतंत्रता दिवस एवं गणतन्त्र दिवस की रिपोर्ट
- गंगा नदी की जल गुणवत्ता पर प्रशिक्षण रिपोर्ट
- मंत्रालय की हिन्दी पत्रिका मे लेख प्रकाशन

इनके अतिरिक्त राजभाषा नियम की धारा 3(3) में उल्लेखित समस्त दस्तावेजों को द्विभाषी जारी किया जाता है तथा कार्यालय का अधिकतम पत्राचार हिन्दी में ही किया जा रहा हैं।

वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का भी विचारों के आदान-प्रदान व जन-जागरूकता के क्षेत्र में प्रभावी योगदान है। इस दृष्टिकोण से कार्यालय द्वारा 'पर्याभाष' नामक ई-पत्रिका का संपादन १४ सितंबर, २०१२ से प्रारंभ किया गया है तथा अभी तक इसके 05 अंक प्रकाशित हो चुके हैं । इस पत्रिका के माध्यम से पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत व चिंतन करने वाले व्यक्तियों के पर्यावरण विषय पर लिखे लेखों का संकलन किया जाता है। 'पर्याभाष' ई-पत्रिका के अंक में मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रीय निदेशालय के अधिकारियों द्वारा प्राप्त तकनीकी लेख हिन्दी में प्रकाशित किये गए थे। यह पत्रिका केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइड (http://www.cpcb.nic.in/Paryabhash_2016.pdf) पर भी उपलब्ध है। वर्ष 2017 हेतु 'पर्याभाष' ई-पत्रिका का प्रकाशन प्रस्तावित है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित हिन्दी पत्रिका 'पर्यावरण' के वर्ष 2017 मे प्रकाशित 68 वें अंक मे इस कार्यालय के श्री सुनील कुमार मीणा व डॉ.अनूप चतुर्वेदी के लेख भी प्रकिशित हुए है।

हिन्दी दिवस समारोह

हिन्दी-पखवाड़ा कार्यक्रम 1-14 सितंबर 2017

राजभाषा अधिनियम व नियमों के प्रावधानों के अनुसार क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल में वर्ष भर ही हिन्दी में प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाता है तथा हिन्दी दिवस के अवसर पर समग्र रूप से वर्षभर किए गए कार्यों की समीक्षा की जाती है तथा कालांतर में किस तरह कार्यान्वयन किया जाय इस बाबत मंथन भी किया जाता है। इस वर्ष भी हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत दिनांक 1 सितंबर से 14 सितंबर 2017 के मध्य अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा इसका समापन सांस्कृतिक संध्या के साथ हिन्दी दिवस के अवसर पर किया गया।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत डॉ.पी.के. बेहेरा, क्षेत्रीय निदेशक के उद्‌बोधन से हुई उन्होने बताया भारत सरकार के सभी मंत्रालयों विभागो, कार्यालयों, उपक्रमों मे राजभाषा विकास का प्रयास किया जा रहा है। हमारे कार्यालय में चूंकि अधिकतर कार्य तकनीकी व न्यायालयीन प्रकृति का है इस वजह से कभी-कभी चाहकर भी पूर्णत: हिन्दी का प्रयोग नहीं किया जा पा रहा है। राजभाषा विभाग अपने विभिन्न प्रकाशनों के माध्यम से राजभाषा नीति, राजभाषा अधिनियम तथा राजभाषा नियमों की जानकारी देने का पूरा प्रयास भी कर रहे हैं जिसका अनुपालन हमे भी करना है । तात्पर्य यह है कि हिन्दी में काम करने का वातावरण बनाने के लिए हर संभव उपाय किए जा रहे हैं।

यद्‌यपि हमारी मंजिल कुछ दूर अवश्य है, किंतु हम सब का सहयोग लेते हुए सशक्त और संतुलित कदमों से उसकी तरफ बढ़ रहे हैं। हमें आशा है कि हम देर सवेर अपनी मंजिल तक अवश्य पहुँचेंगे। क्षेत्रीय निदेशक ने यह भी बताया कि राजभाषा नीति, वार्षिक कार्यक्रम आदि द्‌वारा राजभाषा कार्यान्यवन को विस्तृत और स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है किन्तु इसके बावजूद भी विभिन्न सरकारी कार्यालय स्वयं को राजभाषा कार्यान्यवन के लिए पूरी तरह से सुसज्जित नहीं हो सके हैं । उन्होंने बताया की कुछ गिने-चुने कार्यालय ही हैं जो राजभाषा कार्यान्वयन गति, गरिमा और गहनधर्मिता को निर्मित करने में सफल रहे हैं और हमारा कार्यालय उसमें से एक है यह हमारे लिए गर्व की बात है। क्षेत्रीय निदेशक के संक्षिप्त उद्‌बोधन के पश्चात हिन्दी पखवाड़ा के विभिन्न कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। इस श्रंखला में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

हिन्दी दिवस समारोह

01. यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता (दिनांक 05.09.2017) :-

कार्यालय में हिन्दी के सामान्य पत्राचार व दैनिक कार्यों में हिन्दी टंकण की आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से यूनिकोड सोफ्टवेयर का संस्थापन सभी कम्प्यूटरों में किया गया है तथा इसका प्रयोग अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा निरंतर किया जाने लगा है तथा कई तकनीकी प्रतिवेदन भी यूनिकोड के माध्यम से बनाये गये है । यूनिकोड टंकण के प्रोत्साहन हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता की विशेषता यह रही कि इसमें कार्यालय के उन कर्मचारियों ने भी भाग लिया जो सामान्यत: कम्प्यूटरों का उपयोग नहीं करते हैं जैसे कि वाहन चालक, परिचर आदि। इस प्रतियोगिता में 'नोटबंदी के प्रभाव' विषय पर लेख यूनिकोड में टंकण हेतु दिया गया था। प्रतियोगिता में सही व शुद्ध टंकण करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती फरजाना खान, द्वितीय स्थान श्री अनिल कुमार, तृतीय स्थान श्री प्रहलाद बघेल, चतुर्थ स्थान डॉ अनूप चतुर्वेदी व सांत्वना पुरस्कार श्री राजीव शर्मा ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन डॉ आर.पी.मिश्रा वैज्ञानिक 'घ' व श्री एस.डी.बोकड़े द्वारा किया गया।

यनिकोड परीक्षा

02. 'हिन्दी' लिखित प्रतियोगिता (दिनांक 08.09.2017) :-

क्षेत्रीय निदेशालय में विभिन्न राजभाषा क्षेत्रों के व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व है तथा इसमें 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति प्रोत्साहन हेतु विशेष हिन्दी प्रश्नोत्तरी / लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में लिखित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस प्रश्नपत्र में मुख्य रूप से मुहावरों के अर्थ, पर्यायवाची व विलोम शब्दों का प्रयोग, लोकोक्ति व मुहावरे, भाषा व लिपि मिलान तथा राजभाषा संबंधी सामान्य प्रश्न पूछे गये। प्रतियोगिता में कार्यालय के 15 आधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कार्यालय में टिप्पण, राजभाषा के नियमों का ज्ञान

तथा 'ख' व 'ग' क्षेत्र के कर्मियों को प्रोत्साहन प्रदान करना था। प्रतियोगिता में औसत आधार पर 100 अंकों के प्रश्नपत्र में सभी ने औसत 70 अंक प्राप्त किए जो कि कार्यालय द्वारा राजभाषा विकास हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों का सुखद परिणाम है। प्रतियोगिता हेतु पाँच दल बनाये गये थे जिसमे तकनीकी, प्रशासन, लेखा व प्रयोगशाला के सदस्यों को सम्मिलित किया गया था।

लिखित हिन्दी परीक्षा

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती रश्मि ठाकुर के दल, द्वितीय स्थान डॉ आर.पी.मिश्रा के दल, तृतीय स्थान श्रीमती फरजाना खान के दल सांत्वना पुरस्कार हेतु श्री संजय मुकाती के दल तथा श्री राजीव शर्मा के दल ने प्राप्त किया यद्यपि गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष प्रश्न पत्र कठिन बनाया गया था तथापि सभी ने उत्साह के साथ हल किया तथा प्रश्न पत्र समाप्ति के बाद आपस में विचारों का आदान-प्रदान किया गया तथा दिये गये प्रश्नों पर अपने मत-मतांतरों से सभी को अवगत करवाया। इस प्रतियोगिता का आयोजन श्री एस.डी.बोकड़े व श्री अनिल कुमार द्वारा किया गया।

03. 'राजभाषा क्विज' प्रतियोगिता (दिनांक 11.09.2017) :-

प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्रीय निदेशक की उपस्थिति में किया गया, इस प्रतियोगिता में राजभाषा, पर्यावरण, सामान्य ज्ञान व तकनीकी विषयों से संबंधित विभिन्न प्रश्नों का संकलन किया गया था, जो कार्यालय के ही दैनिक कार्यकलापों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित थे। प्रतियोगिता हेतु पाँच दल बनाये गये थे जिसमें तकनीकी व वैज्ञानिक, प्रशासन व लेखा प्रभाग के सदस्यों को सम्मिलित किया गया था। प्रतियोगिता का उद्देश्य कार्यालय के सभी सदस्यों को सहभागी बनाना था जिसमें विशेष रूप से 'ख' व 'ग' क्षेत्र के अधिकारी / कर्मचारी है। इस प्रतियोगिता में बहुविकल्पीय प्रश्न भी पूछे गये। प्रतियोगिता में प्रशासन व लेखा से संबंधित कर्मचारियों ने भी अत्यधिक उत्साह दिखाया जो उनके राजभाषा के प्रति लगाव व तकनीकी विषयों में भी सहभागिता को दर्शाता है।

इस प्रतियोगिता में कुल 15 प्रतिभागियों ने पाँच दल बनाकर भाग लिया तथा प्रथम स्थान श्री सुरेन्द्र भाटिया के दल, द्वितीय स्थान श्री सलामुद्दीन के दल, तृतीय स्थान श्री सुनील कोल्हटकर के दल तथा सांतवना पुरस्कार श्री शिव शंकर शुक्ला व सुरेश कुमार चौहान के दल ने प्राप्त किया । इस प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. वाय.के. सक्सेना द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में निर्णय क्षेत्रीय निदेशक व श्री एस.डी.बोकड़े हिन्दी अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया ।

हिन्दी क्विज प्रतियोगिता

04. 'हिन्दी संभाषण' प्रतियोगिता (दिनांक 14.09.2016) :-

प्रतियोगिता के अंतिम चरण में हिन्दी संभाषण का आयोजन किया गया था इसमे 'जल एवं वायु प्रदूषण का अथवा ओज़ोन का मनुष्य एवं पर्यावरण पर प्रभाव' विषय पर प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए तथा प्रदूषण के बढ़ते स्तर से मानव जीवन मे किस तरह की विसंगतियाँ आ रही है व इन्हे किस तरह से न्यूनतम किया जा सकता है, इस विषय पर अपने अनुभवों के आधार पर अभिव्यक्ति की गई। चूंकि 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है इसी परिपेक्ष्य में ओजोन से संबंधित व परिचर्चा का भी आयोजन किया गया जिसमे ओजोन की परत को हो रहे नुकसान से किस तरह मानव जीवन को ख़तरा बढ़ रहा है तथा किस तरह इसको न्यूनतम किया जा सकता है तथा कार्यालयीन गतिविधियों के माध्यम से किन-किन सुरक्षात्मक कदमों से व्यापक जनहित में कदम उठाये जा सकते है इस संदर्भ में भी विस्तृत चर्चा की गई । इस प्रतियोगिता में प्रथम विजेता श्री संजय मुकाती, द्वितीय श्री अनिल कुमार तृतीय श्री राजीव शर्मा तथा सांतवना पुरस्कार डॉ.अनूप चतुर्वेदी व

श्री प्रहलाद बघेल को प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता मे श्री प्रवीण जैन, श्री सलामुद्दीन, श्री अनिल रावत व डॉ.वाय.के. सक्सेना ने भी प्रतिभागिता की। अंत मे श्री पी.जगन वैज्ञानिक 'घ' ने पूरे संभाषण को सरगर्भित किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन श्री अनिल कुमार द्वारा किया गया।

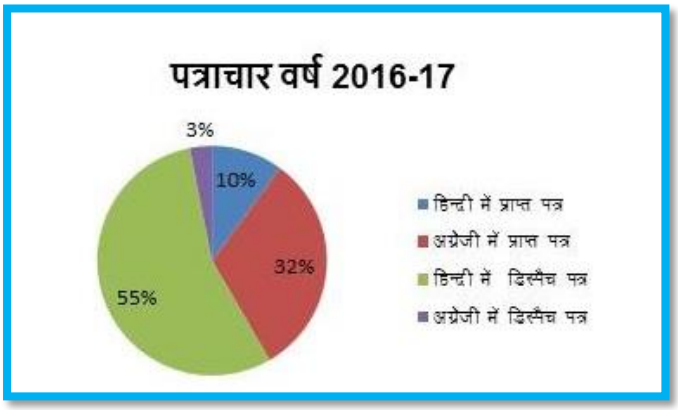

05. 'हिन्दी टिप्पण व आलेखन' प्रतियोगिता:-

उपरोक्त प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त गत वर्ष में सर्वाधिक हिन्दी टिप्पण व आलेखन करने वाले कर्मियों के उत्साहवर्धन हेतु भी पुरस्कार प्रदान किये गये। इसमें प्रथम विजेता श्रीमती फ़रजाना खान, द्वितीय श्री अनिल कुमार तृतीय श्री एस.डी.बोकड़े तथा चतुर्थ पुरस्कार श्री राजीव शर्मा को प्राप्त हुआ।

हिन्दी लिखित परीक्षा

कार्यालय में राजभाषा के सतत विकास, तकनीकी प्रतिवेदन हिन्दी में बनाने व कार्यालय की विविध गतिविधियों के प्रतिवेदन भी हिन्दी में तैयार करने में सक्रिय योगदान तथा महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु डॉ. अनूप चतुर्वेदी की भी सराहना की गई।

06. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक (14.09.2016) :-

हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रात: 11.00 बजे राजभाषा कार्यान्वयन समिति की द्वितीय बैठक का आयोजन भी किया गया, बैठक की अध्यक्षता डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा की गई। बैठक का संचालन हिन्दी अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में श्री एस.डी.बोकड़े, हिन्दी अधिकारी ने विगत वर्षो में कार्यालय द्वारा राजभाषा के किन-किन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है व राजभाषा सम्बन्धी उपलब्धियों से अध्यक्ष व सभी सहयोगियों को अवगत कराया तथा राजभाषा हिन्दी में स्वयं काम करने तथा दूसरों को भी प्रोत्साहित करने हेतु संकल्पित रहने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष का हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रसारित उद्बोधन को पढ़कर सुनाया गया तथा यह जानकारी प्रदान की गई कि कार्यालय द्वारा लगभग 95% कार्य हिन्दी में किया जा रहा है, तथा इस उच्चतम स्तर को बनाए रखने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। बैठक के अंत में क्षेत्रीय निदेशक ने चर्चा के विभिन्न बिंदुओं को सारगर्भित करते हुए राजभाषा कार्यों के अनिवार्य क्रियान्वयन पर बल दिया।

दीप प्रज्वलन

07. सांस्कृतिक कार्यक्रम व पुरस्कार वितरण समारोह (14.09.2017) :-

क्षेत्रीय निदेशालय,भोपाल द्वारा वर्ष 2017 के हिन्दी पखवाड़े में आयोजित किए गये कार्यक्रमों का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेतु श्री हरीश सिंह चौहान जी, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, भोपाल को आमंत्रित किया गया था परंतु हिन्दी दिवस के अन्य कार्यक्रम मे व्यस्तता के कारण वे उपस्थित नही हो सके यद्यपि कार्यालय द्वारा हिन्दी मे किए जा रहे

अप्रत्याशित कार्य को उनके द्वारा सराहा गया व शुभकामनाएं प्रेषित की । कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा की गई जिनकी अनुमति पश्चात श्री एस.डी.बोकड़े, हिन्दी अधिकारी द्वारा संक्षिप्त उद्बोधन में हिन्दी दिवस की महत्ता व इस कार्यालय द्वारा किए गए विशेष कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन श्री अनिल कुमार द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम के विधिवत शुभारंभ में सर्वप्रथम माननीय श्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री का हिन्दी दिवस 2017 के अवसर पर जारी संदेश को श्रीमती फरजाना खान ने सभी उपस्थितों को पढ़कर सुनाया तथा यह प्रतिज्ञा कारवाई गई कि " आइये, हिन्दी दिवस के इस पावन अवसर पर हम यह प्रतिज्ञा करें कि हम एक साथ मिलकर मन, वचन और कर्म से हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय एवं सृजनात्मक सहयोग देंगे और हिन्दी को उसके सम्मानजनक स्थान पर पहुँचा कर राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगे। हम सब, न सिर्फ इसे अपना संवैधानिक दायित्व मान कर बल्कि नैतिक दायित्व समझ कर सरकारी काम-काज के साथ ही साथ अपने निजी जीवन में भी हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग पूरे मनोयोग से करें" ।

गह मंत्री का संदेश पठन

क्षेत्रीय निदेशक द्वारा अपने संक्षिप्त उद्बोधन में शासकीय कार्यालयों में राजभाषा विकास की वर्तमान आवश्यकता पर ज़ोर दिया तथा भोपाल कार्यालय को इस क्षेत्र मे सदैव अग्रणी रहने का प्रयास करने हेतु निर्देश प्रदान किए। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक संध्या में सर्वप्रथम श्री राजीव शर्मा ने 'अब दोस्त थकने लगे है' विषय पर प्रस्तुति दी इसके बाद श्री सुरेश चौहान द्वारा 'दोस्तों मेरे दिल को क्या हो गया' विषय पर गीत की प्रस्तुति दी।

कविताओं के दौर को हास्य की तरफ मोड़ते हुए डॉ. अनूप चतुर्वेदी द्वारा 'ऑफिस-ऑफिस' विषय पर हास्य कविता सुनाई। जिसका सभी श्रोतागणों ने आनंद उठाया।

डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा ओज़ोन के सही उपयोग, कार्बन ट्रेडिंग, पोल्युटर टु पे संकल्पना तथा घरेलू प्रदूषण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। अंत मे क्षेत्रीय निदेशक द्वारा राजभाषा कार्यान्यवन में राजभाषा विकास हेतु किए उत्कृष्ट प्रयासों की प्रशंसा की तथा राजभाषा कार्यान्यवन की गतिशीलता को स्वागत योग्य बताया।

हास्य कविता प्रस्तति

कार्यक्रम के अगले चरण में हिन्दी पखवाड़े में पूर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार डॉ.पी.के.बेहेरा क्षेत्रीय निदेशक द्वारा प्रदान किए गये

कार्यक्रम का संचालन श्री अनिल कुमार लेखा सहायक द्वारा बहुत अच्छे ढंग से किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में राजभाषा कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले सभी सहकर्मियों के प्रति श्री एस.डी. बोकड़े द्वारा आभार व्यक्त किया एवं सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को इस आयोजन को सफल बनाने हेतु धन्यवाद दिया व मुख्य अतिथि द्वारा उनकी उपस्थिति से समारोह की गरिमा बढ़ाने पर आभार व्यक्त किया गया तथा राजभाषा कार्यो की निरंतरता बनाये रखने के अनुरोध के साथ कार्यक्रम को विराम देने की घोषणा की गई।

(डॉ.अनूप चतुर्वेदी)	(एस.डी.बोकड़े)	(डॉ.पी.के.बेहेरा)
वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	हिन्दी अधिकारी	क्षेत्रीय निदेशक

कार्यक्रम की अन्य झलकियाँ

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल

हिंदी में सब काम करें
राष्ट्रभाषा का मान करें
न्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
त्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
दी दिवस समारोह
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
विश्व
16

हिंदी में सब काम करें
राष्ट्रभाषा का मान करें
द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
य निदेशालय (मध्य), भोपाल
दी दिवस समारोह
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
विश्व
ओज़ोन
दिवस
16

हिंदी में सब काम करें
राष्ट्रभाषा का मान करें
न्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
त्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
न्दी दिवस समारोह
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
विश्व
ओज़ोन
दिवस
16

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
विश्व
ओज़ोन
दिवस

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
विश्व
ओज़ोन
दिवस

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

हिंदी में सब काम करें
राष्ट्रभाषा का मान करें
य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
निदेशालय (मध्य), भोपाल
दिवस समारोह
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल
16 सितम्बर
दिवस

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल
16 सितम्बर
विश्व
ओज़ोन
दिवस

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
16 सितम्बर
दिवस

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल
विश्व
ओज़ोन
दिवस
16 सितम्बर

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण
क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल
विश्व
ओज़ोन

हिंदी में सब काम करें
राष्ट्रभाषा का मान करें
नियंत्रण बोर्ड
(मध्य), भोपाल
समारोह

हिंदी में सब काम करें
राष्ट्रभाषा का मान करें
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य), भोपाल
हिन्दी दिवस समारोह

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल
विश्व
दिवस

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

क्षेत्रीय निदेशालय (मध्य)

सहकार भवन, चतुर्थ तल, नॉर्थ टी.टी. नगर, भोपाल- 462 003

हिन्दी दिवस समारोह

(01 सितम्बर, 2017 से 14 सितम्बर, 2017)

11:00 बजे राजभाषा समिति की द्वितीय तिमाही की कार्यशाला

2.00 बजे हिन्दी संभाषण प्रतियोगिता 'जल एवं वायु प्रदूषण का अथवा ओज़ोन का मनुष्य एवं पर्यावरण पर प्रभाव'

पुरस्कार वितरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम

3:30 बजे दीप प्रज्वलन

3:40 बजे हिन्दी अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत
एवं
मुख्य अतिथि का संबोधन

4:00 बजे गृह मंत्री का हिन्दी दिवस के अवसर पर जारी संबोधन का पठन

4.15 बजे विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण
एवं
सांस्कृतिक कार्यक्रम (गीत, कविता आदि)

6:00 बजे धन्यवाद एवं आभार

कार्यालय में आयोजित प्रतियोगिताओं का परिणाम

क्रमांक	नाम	परिणाम
01	**यूनीकोड प्रतियोगिता**	
	श्रीमती फरजाना खान	प्रथम
	श्री अनिल कुमार	द्वितीय
	श्री प्रहलाद बघेल	तृतीय
	डॉ. अनूप चतुर्वेदी	सात्वंना
	श्री राजीव शर्मा	सात्वंना
02	**लिखित प्रतियोगिता**	
	श्रीमती रश्मि ठाकुर डॉ. पौलमी सी. पाटिल श्री शिव शंकर शुक्ल	प्रथम
	डॉ. रवि प्रकाश मिश्रा श्री प्रहलाद बघेल श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया	द्वितीय
	श्रीमती फरजाना खान श्री प्रवीण कुमार जैन श्री सुनील कोल्हटकर	तृतीय
	श्री संजय कुमार मुकती डॉ. योगेंद्र कुमार सक्सेना श्री सुरेश कुमार चौहान	सात्वंना
	श्री राजीव शर्मा श्री मिलिंद कुमार निमजे श्री रामेश्वर बंदेवार	सात्वंना
03	**प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता**	
	श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया श्री संजय कुमार मुकती श्री अनिल कुमार	प्रथम
	श्री सलामुद्दीन डॉ. रवि प्रकाश मिश्रा डॉ. अनूप चतुर्वेदी श्री प्रहलाद बघेल	द्वितीय
	श्री सुनील कोल्हटकर श्री राजीव शर्मा श्रीमती रश्मि ठाकुर श्री रामेश्वर बंदेवार	तृतीय

	श्री शिव शंकर शुक्ल श्री पी. जगन श्री प्रवीण कुमार जैन श्री संदीप बघेल	सात्वंना
	श्री सुरेश कुमार चौहान श्री मिलिंद कुमार निमजे श्रीमती फरजाना खान श्री सुरेश चौधरी	सात्वंना
04	**संभाषण प्रतियोगिता**	
	श्री संजय कुमार मुकती	प्रथम
	श्री अनिल कुमार	द्वितीय
	श्री राजीव शर्मा	तृतीय
	डॉ अनूप चतुर्वेदी	सात्वंना
	श्री प्रहलाद बघेल	सात्वंना
05	**हिन्दी टिप्पण, आलेखन प्रतियोगिता**	
	श्रीमती फरज़ाना खान	प्रथम
	श्री अनिल कुमार	द्वितीय
	श्री एस.डी. बोकड़े/	तृतीय
	श्री राजीव शर्मा	सात्वंना